

FORM NO. III (प्रारूप संख्या-3)

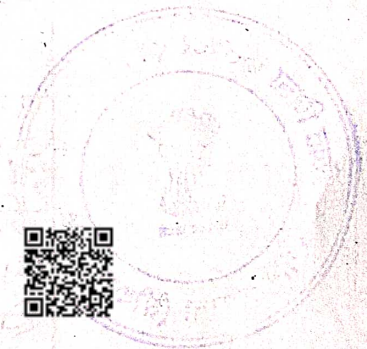
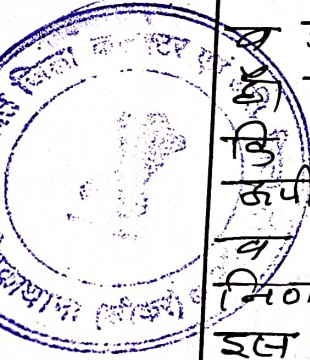
फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत... अतिरिक्त जिला क्लर्क... मुकाम... नीमकाचाना

किसम मुकदमा... काबू खान... खनाम... नाथन तहसीलदार
... झपील... नम्बर... 13... वर्ष... 2022

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
20/4/22	<p>रिपोर्ट खरिस्ता होकर झपील झपीलान्त पेश उई। वकील झपीलान्त उपर। झपील झपीलान्त दर्ज रजिस्टर छि जाकर नोटिस खनाम रेल्पो० जारी होकर पत्रवाणी दि० 29/5/22 रो पेश छि।</p>	
	<p>(अनित कुमार) अतिरिक्त जिला क्लर्क एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट नीमकाचाना (सीकर)</p>	
5/5/22	<p>पत्रवाणी पेश उई। वकील झपीलान्त उपर। रेल्पो० छि कोर से रीपट नाथन तहसीलदार-नीमकाचाना उपर। खदल वकील झपीलान्त खुनी गई। दौराने खदल वकील झपीलान्त ने खताया कि झपीलान्त द्वारा 2 मि रकबा 2774 रकबा 1.48 हे. में से 0.02 हे. भूमि पर मकान का निर्माण कर इतिरिक्त नही किया गया है। पत्रवाणी हल्का द्वारा जाय छि रजिंश छ डूबता के कारण गलत रिपोर्ट पेश छि गई है। पत्रवाणी हल्का द्वारा कंपनी रिपोर्ट में इतिरिक्त छि गई भूमि का नाप भी नही लिया है। झपीलान्त द्वारा अधिनलप न्यायालय में जबाब व दस्तावेज जो पेश दिये गये थे उनका निर्माण से कोई उल्लेख नही किया गया है। इस प्रकार जो निर्माण पारित किया गया है जो न्यायिक विज्ञानों के विपरीत होने के कारण पारित आदेश निरस्तनीय है। झपीलान्त द्वारा कोई नया निर्माण नही किया गया है।</p>	



अनित कुमार

(नाथन तहसीलदार)

तारीख
हुकम

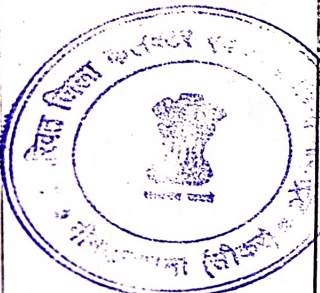
हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नंबर व तारीख अहकाम
जो इस हुकम की
तामील में जारी हुए

जो मकान बना हुआ है जो लगभग 60-70 वर्ष पुराना है तथा मकान में विद्युत कनेक्शन ले रखा है। मपीलान्ट के मकानों के चाले और आबादी बस्ती हुई है। वर्ष 2022 में संशोधन विधेयक 23-3-2022 में राजस्थान विधान सभा में पारित किया गया है जिसमें यह भी स्पष्ट किया है कि नदी नाली व पानी के बहाव धँस व मसिदा माफ़ी की जमीन को दोस्कर मन्प बस्ती इसी कालोनी व माफ़ी में 31-12-2021 तक विकसित हो चुकी है उसके पेटे दिए जा लकेजें। सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने लिमिटेसन एक्ट 1963 के अन्तर्गत व्याख्या की है कि मिजि कचल लम्बति के मामले में 30 वर्ष हैं। चारागाह ट्रामि में कड़ीम हे जो मकान बनाये हुए हैं जिनका दिनांक 28-1-2011 के निर्णय के क्रोडेर कुदुवार चारागाह में बड़े व्यम्बियो के पेटे बनाने सम्बंधित राठ लकार व राजस्व मण्डल - अजमेर की गार्ड लाइन के कुदुवार-चारागाह में बस्ती काबाडी धँस के मावासीप मकानों को वहाँ ले नही हटाकर पेटा के पेटे जारी किए जावेंगे। इस प्रकार अधिनस्थ न्यायालय द्वारा पारित क्रोडेर दिनांक 21-3-22 को अपालत फलसाया जावें।

रैव्यो: डाटा मपील से सम्बंधित मूल पत्रावली पेश कि गई जो शास्त्रि पत्रावली कि गई।

पकील मपीलान्ट की बहल पर मनन किया गया। पत्रावली व पत्रावली में उपलब्ध रिपोर्ट व अधिनस्थ न्यायालय की पत्रावली का क्वलोकन किया गया। अधिनस्थ न्यायालय कि पत्रावली के क्वलोकन से पाया गया कि पत्रावली एल्मा रोज द्वारा जो धारा 91 C.R. Act कि रिपोर्ट पेश की गई जिसमें ट्रामि खण्ड 2774 रुब 1.48 है किस्स चारागाह में मपीलान्ट डाटा 0.02 है



(अनिल कुमार)
अतिरिक्त जिला कलेक्टर
जाति. जिला मजिस्ट्रेट
(सीकर)

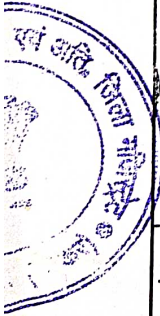
तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नंबर व तारीख अहकाम
जो इस हुकम की
तामील में जारी हुए

पर क्रिक्रमण करना बनाया है। कपीलान्ट द्वारा अधिनलघ न्यायालय में नोरीस का जवाब व दस्तावेज पेश किये जाते परन्तु में शामिल है परन्तु अधिनलघ न्यायालय जा पारित निर्णय निर्णय में इनका स्पष्ट उल्लेख नहीं किया है। रिपोर्ट जो पश्चामी हल्का द्वारा पेश की गई उससे कवलोकन से यह बात स्पष्ट है कि रिपोर्ट के पिछे जो नजरी नम्ब्रा बनाया है उसमें माप नहीं लिया गया है। एवं ना ही क्रिक्रमण कहा व मिलने रकबे पर कर रखा है वो भी नजरी नम्ब्रा में नहीं है। तथा ना ही चारों तरफ का माप क्रिक्रमण कर रखा है। इस प्रकार कपील कपीलान्ट ने जो तथ्य कपील में क्रिक्रमण किये हैं वो साबित होते हैं। इससे यह भी प्रतीत होता है कि पश्चामी हल्का द्वारा जो धारा 91 के रिपोर्ट पेश की गई है जो मॉके पर जाकर तैयार नहीं की गई है। पश्चामी हल्का द्वारा रिपोर्ट वास्तविक तथ्यों के विपरीत पेश की गई है जिसमें अतिक्रमित रकबे की दिशाओं का माप जोख भी नहीं लिया गया है। इस प्रकार अधिनलघ न्यायालय द्वारा दिनांक 21.3.2022 को जो निर्णय पारित किया गया है उससे पूर्व लमलत तथ्यों की जांच किये बिना ही किया गया है जो न्याय के सिद्धान्तों के विपरीत है। इस प्रकार कपीलान्ट द्वारा कपील में जो तथ्य क्रिक्रमण किये हैं उनकी पुष्टि होती है। तथा उल्लूक कपील को बल मिलता है। इस आधार पर कपील कपीलान्ट लाबित होने के कारण स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है।

मतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर कपील कपीलान्ट लाबित होने से स्वीकार की जाती है तथा अधिनलघ न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 21.3.22 को पारित किया जाता है। कपील कपीलान्ट न्यायालय तहसीलदार नीम काधाना को इस आदेश के साथ रिमाण्ड की जाती है कि अतिक्रमित रकबे की मॉके पर जाकर रिपोर्ट मॉके



निवेदन
तमिल
जिला न्यायालय
जिला न्यायालय

FORM NO. III (प्रारूप संख्या-3)


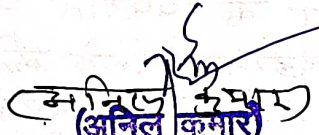
फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत.....मुकाम.....

.....बनाम.....

किस्म मुकदमा.....नम्बर.....वर्ष.....

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p>फर्द मय नजरी नमूना जिल्ले चारो दिशाको का सही नाप जोख लिखा जाकर कपीलाह को सुनवाई हेतु उचित कवसर एवं उद्दुत दस्तावेज का आवलोकन कर सुवा. 13 गुण के आधार पर पुनः निर्णय पारित करें। पालना हेतु तद्विषयक नीमकाथाना नो तद्वरीर जारी की जावे। एवावती केसल शुका होकर नम्बर ले कप होकर कारिकल इच्छ है</p> <div style="display: flex; justify-content: space-around; align-items: center;">  <div style="text-align: center;">  <p>(अनिल कुमार) अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अति. जिला मजिस्ट्रेट नीमकाथाना (सीकर)</p> </div> </div>	